an>

Title: Regarding alleged leak of question paper of NEET-2 examination.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे सात लाख बच्चों के मामले को उठाने का मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद। मैं इस पर आपसे संरक्षण भी चाहूंगा क्योंकि लोक सभा में पिछले हफ्ते जो बिल पास हुआ था, उसके द्वारा एनईईटी ऐग्ज़ाम हो रहा है। जब पिछले हफ्ते इस पर डिसकशन हो रही थी, तब मैंने मंत्री जी से पूछा था कि जो एनईईटी क्न हुआ है, वह ट्रांसपेरैंट हुआ है या नहीं, इस पर आपका वक्तव्य आना चाहिए। लेकिन मंत्री जी ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। मैं यहां वह पेपर दिखाना चाहूंगा कि वाराणसी में यह पेपर लीक हुआ था जिसकी सारी जानकारी सब अखबारों में थी। फिर भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। मैंने उसी समय कहा था कि नीट टू यूपीएससी की तरह बिल्कुल ट्रांसपेरैंट हो, इसे मंत्री जी सुनिश्चित करें। लेकिन मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हल्द्वानी में एक पूरा रैकेट पकड़ा गया। जब पुलिस ने वहां छापा मारा तो वे लोग हल्द्वानी से रामनगर शिफ्ट हो गए।

पूरा होटल जिसमें बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बच्चे थे, वे सब हल्द्वानी परीक्षा देने गये थे। अब वे रिजॉर्ट में बैठकर क्यों परीक्षा दे रहे थे, यह बिल्कुल साफ है। सारे पेपर्स में निकला है कि दस लाख से पचास लाख रुपये में यह पेपर बिका है। मैं कल खुद पटना में सुनकर आया हूं कि वहां पर यह पेपर दस से तीस लाख रुपये में बिका है।

अध्यक्ष महोदया, इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। यह बिल लोक सभा से पास है, इसलिए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि इसमें एग्जाम ट्रांसपेरैंट हो। अगर जरूरत हो तो दोबारा नीट की परीक्षा हो, लेकिन बच्चों को इंसाफ मिलना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि अब प्राइवेट प्लेयर के हाथ से दलालों के पास नीट एग्जाम चला जाये।

माननीय अध्यक्ष: श्री सी.पी.जोशी, श्री रोड़मल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, श्री रवीन्द्र कुमार जेना, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, डॉ. मनोज राजोरिया, श्री हरीश मीना, श्री देवजी. एम. पटेल, श्री राहुल कस्वां और श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया को डॉ. संजय जायसवाल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।